श्री सभापति: इसलिए आप एसी कोच में पहुँच नहीं पाये?

श्री समीर उरांव: जी। **...(व्यवधान)...**

श्री सभापति: ठीक है। आप दुमका से हैं, बोलिए।

Need for an additional A.C. coach in Ranchi-Dumka Intercity Express

श्री समीर उरांव (झारखंड): सभापति महोदय, मैं अपने गृह राज्य झारखंड में रांची-दुमका इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन, जो साउथ-ईस्टर्न रेलवे ज़ोन में आती है, उसमें एक एसी कोच जुड़वाने के सम्बन्ध में बताना चाहता हूँ।

महोदय, रांची-दुमका इंटरसिटी एक्सप्रेस राँची से खुलती है और राज्य के महत्वपूर्ण जिले बोकारो एवं धनबाद होते हुए दुमका पहुँचती है। साथ ही प्रदेश के दो महत्वपूर्ण तीर्थ-स्थल देवघर एवं वासुकीनाथ भी इसी रूट में आते हैं। गौरतलब है कि बोकारो स्टील प्लांट सरकारी क्षेत्र के इस्पात उद्योग के लिए प्रसिद्ध है और धनबाद कोल माइनिंग के लिए जाना जाता है, जिसको हम 'कोल कैपिटल' के नाम से भी जानते हैं। इसके महत्वपूर्ण औद्योगिक केन्द्र होने के कारण रेलवे के इस रूट पर भारी संख्या में लोगों का आवागमन इस इंटरसिटी ट्रेन से प्रतिदिन होता है। इसी रूट पर देवघर भी है, जो प्राचीन तीर्थ-स्थल है, जहाँ भगवान शिव की पूजा करने श्रद्धालुगण भारी संख्या में आते हैं, जिनमें बूढ़े, महिलाएँ एवं बच्चे भी होते हैं। इसके साथ ही लाखों लोग वहाँ वासुकीनाथ की भी आराधना के लिए आते हैं। आम जनता की परेशानी के मद्देनज़र और विशेषकर बुजुर्ग एवं महिलाओं की समस्या को ध्यान में रखते हुए राँची-दुमका इंटरसिटी एक्सप्रेस में एक एसी कोच जोड़ने की माँग लम्बे समय से है। महोदय, इसलिए वर्तमान में इस ट्रेन में एक एसी कोच की बहुत आवश्यकता है। मैं सरकार से माँग करता हूँ कि ..

श्री सभापति: राँची से दुमका जाने में कितना समय लगता है?

श्री समीर उरांव: वह वहाँ से रात में 9 बजे चलती है और सुबह 7 बजे पहुँचती है।

श्री सभापति: इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन?

श्री समीर उरांव: जी, सर।

श्री सभापति: ठीक है, मैं समझ गया।

श्री समीर उरांव: महोदय, इसलिए मैं माननीय मंत्री से आग्रह करता हूँ कि उसमें एक एसी कोच जोड़ा जाए।

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI: Sir, I associate myself with the submission made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA: Sir, I also associate myself with the submission made by the hon. Member.

Deteriorating condition of workers at NTPC in Auraiya district of Uttar Pradesh

श्रीमती गीता उर्फ चंद्रप्रभा (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं आपका ध्यान उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में स्थित एनटीपीसी व गेल इंडिया लिमिटेड प्लांट में प्लांट प्रशासन द्वारा स्थानीय लोगों के प्रति की जा रही उपेक्षा की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ।

महोदय, एनटीपीसी व गेल की स्थापना के समय प्रशासन द्वारा जिन किसानों की जमीन पर प्लांट का निर्माण किया गया, उनको स्थायी नौकरी एवं क्षेत्र के विद्यार्थियों को प्लांट परिसर में खुलने वाले विद्यालय में शिक्षा के अवसर प्रदान कराने का वादा किया गया था और साथ में दिबियापुर व आस-पास के क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता कराने का वादा किया गया था, लेकिन उन्होंने वादा पूरा नहीं किया। प्लांट की स्थापना हुए 30 वर्ष से अधिक हो गये हैं, परन्तु अभी तक अधिकांश लोगों को स्थायी नौकरी नहीं मिली है। मैं आपके माध्यम से अनुरोध करती हूँ कि ऐसे श्रमिकों को स्थायी नौकरी दी जाये। इसके अतिरिक्त बहुत से किसानों को, जिनकी भूमि का अधिग्रहण किया गया था, उन्हें शेष राशि का भुगतान भी नहीं किया गया है।

महोदय, जिले का एकमात्र केन्द्रीय विद्यालय एनटीपीसी परिसर में स्थित है। पिछले कुछ समय से इस विद्यालय को एनटीपीसी प्रशासन के द्वारा बन्द करने की बात की जा रही है। ऐसी परिस्थिति में मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध करती हूँ कि भू-विस्थापित लोगों को स्थायी रोजगार उपलब्ध कराया जाए, केन्द्रीय विद्यालय की स्थिति को सुधारने की योजना बनायी जाए एवं स्थानीय लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाए, धन्यवाद।

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I associate myself with the submission made by the hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the submission made by the hon. Member.

Need to establish ESIC sub-regional office and hospital in Belagavi

श्री इरण्ण कडाडि (कर्नाटक) : सभापति महोदय, आपने मुझे शून्य काल में अपनी बात कहने का मौका दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद। कर्णाटक के उत्तर-पश्चिम में बेलगावि में एक औद्योगिक क्षेत्र है, जहाँ वर्तमान में 36 बड़े उद्योग हैं। उनमें मुख्यतः चीनी उत्पादन, foundry,